PAI CLASSES - मैट्रिक बोर्ड परीक्षा तैयारी के लिए - No.1

इतिहास - History

V.V.I - लघु उत्तरीय प्रश्न (SUBJECTIVE QUESTION)

1.Q साम्यवादी एक नई आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था थी कैसे

उत्तर - **1917** ईस्वी में पूर्व रूस में राजतंत्र ये शासन स्थापित था रूस के सम्राट को जार कहा जाता था जारशाही शासन निरंकुशता का प्रतीक था अतः **1917** में लेनिन के नेतृत्व में साम्यवादी क्रांति हुई जिसमें सत्ता की बागडोर सर्वाहारी अर्थात कृषक मजदूर और जनसामान्य के हाथों में आ गई। उत्पादन पर अब पूरे समाज का अधिकार हो गया अतः हम कह सकते हैं कि साम्यवाद एक नई आर्थिक और सामाजिक व्यवस्था थी।

2.Q कुटीर उद्योग का महत्व क्या है संक्षेप में लिखें

उत्तर - कम पूंजी छोटे संसाधन एवं कम व्यक्तियों के सहयोग से शुरू किए जाने वाले उद्योग कुटीर उद्योग कहलाते हैं **जैसे**- पापड़ निर्माण , अगरबत्ती निर्माण , गेहूं

पिसना , चावल कुटना आदि कुटीर उद्योग है।

3.Q हो - ची मिन्ह मार्ग क्या है

उत्तर - हो ची मिन्ह मार्ग हनोई से चलकर लाओस कंबोडिया के सीमा क्षेत्र से गुजरता हुआ दक्षिणी वियतनाम तक जाता था जिससे कच्ची पक्की सड़कें निकलकर जुड़ी थी। अमेरिका सैकडो बार उसे छतिग्रस्त कर चुका था किंतु वियतनामी उसे तुरंत मरम्मत कर लेते थे इस मार्ग पर नियंत्रण करने के उद्देश्य से अमेरिका लाओस और कंबोडिया पर आक्रमण कर दिया था परंतु तीन तरफा संघर्ष में फंसकर उसे वापस होना पड़ा था।

4.Q भूमंडलीकरण में बहुराष्ट्रीय कंपनियों की भूमिका को स्पष्ट करें

उत्तर - **1980** के दशक में संयुक्त राज्य अमेरिका आर्थिक रूप से कमजोर हो रहा था धीरे-धीरे व संपूर्ण विश्व के अर्थतंत्र का नियामक हो गया इस प्रभाव को कम करने में विश्व बैंक अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष **1995** में अस्तित्व में आया विश्व व्यापार संस्था पूंजीवादी देशों की बड़ी व्यापारिक और औद्योगिक बहुराष्ट्रीय कंपनियों ने गिरती आर्थिक व्यवस्था में जान फूंक दी फलस्वरूप अमेरिका पुणः आर्थिक रूप से समृद्ध देश बन बैठा।

5.Q साइमन कमीशन क्या था उसे वापस जाओ के नारे क्यों लगाए गए

उत्तर - सर जॉन साइमन के नेतृत्व में **1927** को साइमन कमीशन बना जीस सात सदस्यीय आयोग का गठन किया गया उसमें एक भी भारतीय नहीं था भारत के स्वशासन के संबंध में निर्णय विदेशियों द्वारा किया जाना था फलतः 3 फरवरी **1928** को मुंबई पहुंचने पर साइमन कमीशन का पूरे भारत में विरोध हुआ और जनता पुणे संघर्ष के लिए तैयार हो गया